RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 193
दि. 14.11.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी बोले: निर्यात को बढ़ावा देने के फैसले से बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा, आत्मनिर्भर भारत के सपने को मिलेगा बल

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार के ताजा कैबिनेट फैसले भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेंगे और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति देंगे। बता दें कि बुधवार को हुई बैठक में निर्यात प्रोत्साहन मिशन और निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को मंजूरी दी गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार के ताजा कैबिनेट फैसले भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेंगे और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे। बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 'निर्यात प्रोत्साहन मिशन' और 'निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना' को मंजूरी दी गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सुनिश्चित कर रहे हैं कि 'मेड इन इंडिया' की गूंज पूरी दुनिया में और तेजी से सुनाई दे! कैबिनेट ने 'निर्यात प्रोत्साहन मिशन' को मंजूरी दी है, जो भारत के निर्यात को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा, एमएसएमई, नए और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मजबूती देगा।

उन्होंने कहा कि यह मिशन सभी संबंधित पक्षों को एक मंच पर लाएगा और परिणाम-आधारित तथा प्रभावी तंत्र तैयार करेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 'निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना' से व्यवसाय सुचारू रूप से चल सकेगा, विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और आत्मनिर्भर भारत के सपने को गति मिलेगी।

इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने ग्रेफाइट, सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम जैसे खनिजों की रॉयल्टी दरों को तर्कसंगत करने का भी फैसला लिया है। ये सभी खनिज हरित ऊर्जा के

लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह निर्णय स्थिरता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा। इससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।' इन फैसलों से सरकार का लक्ष्य है कि भारत न केवल अपने उत्पादों के निर्यात को बढ़ाए बल्कि वैश्विक बाजार में 'मेड इन इंडिया' की पहचान को और सशक्त बनाए।

इधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को निर्यातकों के लिए ₹45,000 करोड़ की दो नई योजनाओं को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार की सराहना की। इन योजनाओं का उद्देश्य अमेरिका में बढ़े शुल्कों से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को राहत देना है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने ₹25,060 करोड़ के 'एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन' को मंजूरी दी है, जो भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएगा। इसके साथ ही, ₹20,000 करोड़ के 'क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर एक्सपोर्टर्स (सीजीएसई)' के तहत बिना गारंटी के ऋण की सुविधा मिलेगी।

केंद्रीय गृह नमत्री ने कहा कि यह कदम एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त करेगा और भारत को 1 ट्रिलियन डॉलर निर्यात लक्ष्य की ओर ले जाएगा।

अस्पताल से धर्मेंद्र के डिस्चार्ज होने की वजह आई सामने, बेटे सनी और बॉबी ने मानी इनकी बात, डॉक्टर ने बताया सच

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र अब बेहतर महसूस कर रहे हैं। हाल ही में वे स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हुए थे। 10 नवंबर को सांस लेने में तकलीफ

बढ़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज हुआ। डॉक्टरों के अनुसार, कुछ समय के लिए उनकी स्थिति गंभीर थी और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। हालांकि, 12 नवंबर को उनकी तबीयत में सुधार देखने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

डॉ. प्रतित समदानी ने बताया कि धर्मेंद्र को डिस्चार्ज करने का निर्णय उनके परिवार की इच्छा पर लिया गया।

नतीजों से पहले ही जेडीयू के खेमे का जोश हाई, 'टाइगर जिंदा है' के लगे पोस्टर

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे 14 नवंबर को आएंगे, लेकिन इससे पहले ही पटना में पोस्टर लगने लगे हैं। महागठबंधन के नेता जहां एग्जिट पोल का बहिष्कार कर रहे हैं, तो दूसरी ओर एनडीए नेताओं का जोश हाई है। पटना में अभी से पोस्टर वार शुरू हो गया है। नीतीश कुमार के समर्थकों ने 'टाइगर अभी जिंदा है' का पोस्टर लगाया है। जेडीयू कार्यालय के सामने यह पोस्टर लगाया गया है जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है।

विधानसभा चुनाव नतीजों को देखते हुए पूरे प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। ईवीएम और वीवीपैट को दो लेयर की सुरक्षा में रखा गया है। काउंटिंग सेंटर पर भी सुरक्षा के लिए टीमें मुस्तैद हैं। दिल्ली ब्लास्ट के बाद सुरक्षा व्यवस्था हाई अलर्ट पर है। नतीजे आने में अभी 24 घंटे से भी कम का वक्त है और प्रदेश का

सियासी पारा चढ़ गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों से पहले लगभग सभी एग्जिट पोल में एनडीए की सत्ता में वापसी की उम्मीद जताई गई है। कुछ एग्जिट पोल में कांटे की टक्कर का अनुमान जताया गया है। संकेतों के आधार पर दावा किया जा रहा है कि महिला वोटरों के दम पर नीतीश फिर से सीएम की कुर्सी तक पहुंच सकते हैं। इसके बाद से पटना में जेडीयू समर्थकों का जोश हाई है। पार्टी कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में लिखा है, 'टाइगर अभी जिंदा है!'

पोस्टर पर दलित, महादलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, सवर्ण और अल्पसंख्यकों का भी जिक्र किया गया है। यह पोस्टर एक संदेश देने की कोशिश है कि नीतीश कुमार ने राज्य के मुखिया के तौर पर हर वर्ग और समुदाय के कल्याण का ख्याल रखा है। हालांकि, अब शुक्रवार को मतपेटी खुलने के बाद ही पता चलेगा कि प्रदेश की जनता ने किस पर भरोसा जताया है।

सीएम योगी ने जनजाति भागीदारी उत्सव का किया शुभारंभ, बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (जीएनएस)। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित जनजाति भागीदारी उत्सव का मुख्यामंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 1 से 15 नवंबर तक जनजाति गौरव पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जनजाति समाज को अपनी परंपरा, गौरव पर अनुभूति हो और समाज राष्ट्र की मुख्य धारा में शामिल हो इस कोशिश में यह उत्सव किया जा रहा है। इस उत्सव में 22 राज्यों के जनजाति समाज के कलाकारों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन करने के साथ ही कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

उत्सव में सांस्कृतिक समागम और यात्रा के माध्यम से लोग जुड़ रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश पार्टनर राज्य होने के साथ ही अन्य राज्यों के कलाकार यूपी में आकर इसके सहभागी बन रहे हैं। उत्सव में हस्तशिल्प और कला प्रदर्शनी, व्यंजन मेला भी लग रहा है। इस उत्सव के माध्यम से हम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सम्मान व्यक्त कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साल हमारे लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह वर्ष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पूरे होने के साथ ही बिरसा मुंडा की जयंती के 150 साल पूरे होने का वर्ष भी है। यह वर्ष राष्ट्रगीत वंदे मातरम के भी 150 वर्ष में प्रवेश का वर्ष भी है। वह अमरगीत जिसने स्वाधीनता को नया मंत्र दिया था। यह वर्ष भारत के संविधान, एकता और अखंडता की आत्मा बन गया है।

पुलिस भर्ती में जनजाति समाज के लोगों को मिला मौका

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बिरसा मुंडा भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने किसानों को दी बड़ी सौगात, 1.33 लाख किसानों के खातों में ट्रांसफर किए 233 करोड़ रुपये

मध्यप्रदेश के किसानों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भावांतर भुगतान योजना के तहत 1.33 लाख सोयाबीन उत्पादक

किसानों के खातों में 233 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की। इस अवसर पर 183.25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 8 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा पर जवान और खेत में किसान दोनों देश के रक्षक हैं। किसान अपनी मेहनत से प्रदेश को अन्नदाता बनाते हैं और उनकी वजह से मध्यप्रदेश की विशेष पहचान बनी है।

केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु कल विश्व मधुमेह दिवस पर मधुमेह के समग्र प्रबंधन पर कार्यक्रम आयोजित करेगा

(जीएनएस)। आयुष मंत्रालय द्वारा मधुमेह में मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता केंद्र केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), बेंगलुरु, 14 नवंबर 2025 को विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर एक विशेष ह्लमधुमेह विमर्शह्व कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस कार्यक्रम में मधुमेह के लिए अनुसंधान और नैदानिक सेवाओं में सीओई द्वारा किए गए चल रहे अनुसंधान, नैदानिक कार्य और पहुंच पहलों के बारे में बताया जाएगा।

यह केंद्र आयुर्वेद, योग और जीवनशैली में सुधार के माध्यम से मधुमेह की रोकथाम और प्रबंधन के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण विकसित करने और उसे लागू करने पर केंद्रित है। अब तक, लगभग 6,000 मरीज संस्थान में सेवाएं प्राप्त कर चुके हैं, इनमें से 25 प्रतिशत से अधिक आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग

(ईडब्ल्यूएस) से हैं।

नैदानिक देखभाल के अलावा, केंद्र ने डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से पहुंच को मजबूत किया है। इससे ई-मेडिकल रिकॉर्ड, टेली-परामर्श, एसएमएस अलर्ट और वेबसाइट तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध जानकारी के माध्यम से 6 लाख से अधिक लोगों को लाभ हुआ है।

केंद्र ने मधुमेह के जोखिम का आकलन करने के लिए मशीन लर्निंग-आधारित पूवानुर्मान प्रणाली भी विकसित की है। इसका कॉपीराइट करवाया गया है। इस प्रणाली का वेब एप्लिकेशन के माध्यम से सत्यापन किया जा रहा है। लोगों को अपने स्वास्थ्य की अधिक प्रभावी ढंग से निगरानी कर सकने में सक्षम बनाने के लिए इसे एक मोबाइल ऐप के रूप में विकसित किया जाएगा।

बिहार में 14 नवंबर को मतगणना के चलते क्या बंद रहेंगे स्कूल?

बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना 14 नवंबर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। बिहार में इस बार विधानसभा चुनाव दो चरणों में संपन्न हुए। राज्य की कुल 243 सीटों के लिए 6 और 11 नवंबर को मतदान हुआ।

इन चुनावों में मुख्य मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) और महागठबंधन के बीच है। हालाँकि, इस बार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की मौजूदगी ने भी काफी सुर्खियाँ बटोरीं, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा हुई। हालांकि चुनाव मैदान में उतरे सभी उम्मीदवारों की हार-जीत का फैसला 14 नवंबर को मतगणना के बाद हो जाएगा। मतगणना से पहले बिहार की राजधानी समेत सभी जिलों में मतगणना के मद्देनजर सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए हैं।

राजमार्गों तथा नगरों-महानगरों के सड़क मार्गों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किए जाएगा : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री तथा मुख्य सचिव की उपस्थिति में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में दिए दिशानिर्देश

गांधीनगर, 13 नवंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट दिशानिर्देश दिए हैं कि राज्य में राजमार्गों तथा नगरों-महानगरों में सड़क मार्ग कार्यों की गुणवत्ता से कम्प्रोमाइज या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर में उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी, वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई तथा मुख्य सचिव श्री एम. के. दास की उपस्थिति में आयोजित बैठक में ये दिशानिर्देश दिए। बैठक में महानगरों के महापौर, महानगर पालिकाओं की स्थायी समितियों के अध्यक्ष, महानगर पालिकाओं के आयुक्त

तथा क्षेत्रीय महानगर पालिका आयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और उन्होंने अपने नगरों-महानगरों की सड़क मार्गों की स्थिति का विवरण दिया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जब से शासन दायित्व संभाला है, तब से राज्य में सड़क मार्गों-पुलों के निर्माण में गुणवत्ता पर निरंतर बल दिया है।

ऐसे जन हित के कार्यों में क्वॉलिटी में कम्प्रोमाइज या समझौता करने की बात बर्दाश्त नहीं की जाती है। मुख्यमंत्री ने अनेक बार इसकी प्रतीति भी कराई है। हाल ही में 3 ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट भी किया गया है।

इतना ही नहीं; हल्की गुणवत्ता के कार्य करने वाले 13 से अधिक ठेकेदारों को इस वर्ष ब्लैक लिस्ट करने तक के कड़े दंडात्मक कदम भी मुख्यमंत्री के सीधे निर्देश पर उठाए गए हैं।

श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार दोपहर को आयोजित इस बैठक मे स्पष्ट रूप से कहा कि सड़कों पर के पोटहोल्स भरने के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाए।

इतना ही नहीं; सम्बद्ध अधिकारी, मनपा आयुक्त व उपायुक्त नियमित रूप से फील्ड विजिट कर कार्यों की गुणवत्ता की जाँच करते रहें और 30 नवंबर तक सड़क मार्गों की समग्र स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर पुलों के कार्य हो रहे हों, वहाँ डाइवर्जन के लिए आरसीसी रोड बने, जिससे सम्बद्ध कार्य पूरा होने तक नागरिकों को परिवहन में कोई असुविधा न हो। इसके लिए भी उन्होंने बैठक में सम्बद्ध अधिकारियों को निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भी प्रभारी मंत्रियों को उनके जिलों में सड़कों की स्थिति की सम्बद्ध अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर 30 नवंबर तक स्थिति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे।

श्री पटेल ने इस उच्च स्तरीय बैठक में यह भी कहा कि जो सड़क मार्ग मैंटेनेंस गारंटी पीरियड में टूट जाएँ, उनके ठेकेदारों को तत्काल ब्लैक लिस्ट करने सहित कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने इस बैठक में कहा कि शहरों में रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, मार्केट जैसे स्थलों, जहाँ लोगों की अधिक आवाजाही रहती हो, वहाँ शहरी प्रशासन तथा सड़क एवं भवन विभाग इस तरह सड़क मरम्मत के कार्य करे, जिसकी लोगों को अनुभूति हो। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क मरम्मत को लेकर मिलने वाली शिकायतों का त्वरित निरावण, साथ ही साथ अन्य मरम्मत एवं नए सड़क निर्माण कार्य भी होते रहना जरूरी हैं।

इस उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस. एस. राठौड़, शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री एम. थेन्नारसन, मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह, कमिशनर ऑफ म्युनिसिपालिटीज सुश्री रेम्या मोहन, सड़क एवं भवन विभाग के सचिव श्री प्रभात पटेलिया, मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) श्री धीरज पारेख, सड़क एवं भवन तथा शहरी विकास विभाग के सम्बद्ध अधिकारी उपस्थित रहे

सम्राट चौधरी से लेसी सिंह तक, नीतीश के 28 मंत्रियों की किस्मत का आज होगा फैसला

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का रिजल्ट 14 नवंबर को आने वाला है और इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प है। नीतीश कुमार की सरकार के 36 मंत्रियों में से 28 चुनाव मैदान में हैं यानी 14 नवंबर सिर्फ नतीजों का दिन नहीं, बल्कि नीतीश कैबिनेट के "पास या फेल" होने का भी दिन होगा। इनमें बीजेपी के 17 और जेडीयू के 11 मंत्री मैदान में हैं। दो डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी (तारापुर) और विजय कुमार सिन्हा (लखीसराय) की सीटों पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

कई मंत्री जहां मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं, वहीं कुछ सीटों पर मुकाबला इतना कांटे का है कि नतीजे किसी को भी चौंका सकते हैं। ऐसे में आइए समझते हैं कि नीतीश के 28 मंत्रियों और उनकी सीट पर किसका पलड़ा भारी है।

तारापुर विधानसभा सीट (सम्राट चौधरी बनाम अरुण कुमार)

बीजेपी के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी तारापुर से मैदान में हैं। उनके सामने फखऊ के अरुण कुमार हैं। यह सीट कोइरी और कुशवाहा समुदाय के वर्चस्व वाली मानी जाती है। सम्राट चौधरी को जातीय समीकरण का फायदा मिल रहा है, लेकिन उनकी 'रफ लैंग्वेज' को लेकर स्थानीय नाराजगी भी है। मुकाबला कड़ा है, पर ठऊ्र की बढ़त बनी हुई है।

लखीसराय (विजय कुमार सिन्हा बनाम अमरेश अनीस)

दूसरे डिप्टी सीएम विजय सिन्हा कांग्रेस के अमरेश अनीस से टक्कर ले रहे हैं।

सम्पादकीय

वायु प्रदूषण से हलकान दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण दिल्ली में बृहस्पतिवार को भी घना कोहरा छाया रहा और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) वजीरपुर में सबसे ज्यादा 460 तक दर्ज किया गया। सबसे कम भी पूसा में 302 है। इस तरह 37 निगरानी वेंद्रों में से 27 निगरानी वेंद्र में एक्यूआई स्तर अत्यन्त गंभीर था। वायु प्रदूषण की इस स्थिति से परेशान सुप्रीम कोर्ट के दो जजों जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल चन्द्रूकर ने बृहस्पतिवार को वकीलों से आग्राह किया कि स्थिति ह्यबहुत गंभीरह्ल है, मत आइए कोर्ट, घर से ही वीडियो कांप्रोंसिग से मुकदमों की पैरबी कीजिए। दिल्ली को प्रदूषण का शहर बताकर वकीलों से बाहर न निकलने का आग्राह करना वेंद्र और दिल्ली दोनों ही सरकारों के लिए बहुत बड़ा व्यंग है। वेंद्र सरकार बड़े गर्व से दावा करती है कि दिल्ली की असली अथारिटी यानि सत्ता उपराज्यपाल, वेंद्रीय गृह मंत्रालय के माध्यम से चलाते हैं, किन्तु अब जब दिल्ली में पर्यावरण संकट भयंकर रूप से बच्चों, वृद्धजनों, सांस के मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है और वेंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) लगातार बढ़ती एक्यूआई की स्थिति से सरकारों को आगाह कर रहा है किन्तु दुर्भाग्य से जितना प्रयास होना चाहिए वह नहीं हो रहा है और यही कारण है कि दिल्ली बिल्वुल गैस चैम्बर बन चुकी है। दरअसल वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए हमारी यानि सरकार और समाज दोनों में से किसी की स्वाभाविक प्रवृत्ति ही नहीं है। आज दिल्ली में प्रदूषण के लिए जिम्मेदार भले ही वेंद्र और राज्य सरकार को ठहराया जा रहा है किन्तु स्थानीय निकायों की घोर लापवाही भी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। यदि स्थानीय निकाय ने शुरू से जिम्मेदारीपूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया होता तो कदाचित दिल्ली में वायु प्रदूषण के विकराल स्थिति के सामने केन्द्र और दिल्ली सरकार प्रदूषण के बढ़ते संकट के सामने इतनी निःसहाय न दिखती। दिल्ली में तमाम पर्यावरण संबंधी एनजीओ और विशेषज्ञ सरकारों को सावधान करते रहते हैं किन्तु प्रशासनिक अधिकारी कोई न कोई बहाना बनाकर उन उपायों को लागू करने से बचते रहते हैं जिनकी वजह से आज एक्यूआई सरपट दौड़ लगा रहा है। वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1981 में औद्योगिक संयंत्रों से होने वाले वायु प्रदूषणों को विनियंत्रित करने का अधिकार, वायु गुणवत्ता मानक निर्धारित करने तथा उत्सर्जन के लिए परमिट पूरी तरह प्रवधानों का पालन करते हुए देने की प्रव्रिया का उल्लेख है किन्तु वेंद्र और राज्य सरकारें इस अधिनियम को लागू कर पाने में असमर्थ साबित हो चुकी हैं। कारण वुछ भी हो सच तो यही है कि वायु प्रदूषण के सामने सारे उपाय बेकार साबित हुए। बहरहाल वेंद्र सरकार को चाहिए कि तत्काल दिल्ली सरकार और स्थानीय निकाय को साथ लेकर प्रदूषण के लिए जिम्मेदार कारणों से निपटे और वायु को स्वच्छ बनाने के लिए वृक्षारोपण को प्रोत्साहन एवं कटाई पर रोक लगाएं तथा प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जल छिड़काव, वृत्रिम र्वषात इत्यादि को युद्ध स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए। यह तभी संभव है जब वेंद्र व राज्य सरकारें आपातकालीन मुहिम चलाएं और समाज के सभी वर्गो को शामिल किया करें। इसके लिए मीडिया में विज्ञापन और लोगों को जागृत किए जाने की जरूरत हैं। एक बार यदि जनता ने ठान लिया कि वह अपने आसपास के लोगों को वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए जागरूक करेगी तो निाित रूप से स्थिति में सुधार की असीम संभावनाएं हैं।

सतपुड़ा पर्वतमाला में स्थित याहामोगी माता देवमोगरा धाम के दर्शन करेंगे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, जानिए मंदिर का पौराणिक इतिहास

देवमोगरा धाम में विराजमान हैं आदिजाति समाज की कुलदेवी पांडोरी माता, यहाँ आयोजित होता है नर्मदा जिले का सबसे बड़ा मेला

सतपुड़ा की पर्वतमाला के बीच स्थित पौराणिक मंदिर देवमोगरा धाम बाहर से नेपाल के पशुपतिनाथ जैसा दिखाई देता है

उनकी पालक पुत्री याहा पांडोरी ने कणी-कंसरी का रूप धारण कर अन्न वितरण का कार्य संभाला। तब से आज तक अनाज के भंडार कभी खाली नहीं

देवमोगरा में जहाँ राजा पांठा-विनादेव का स्थानक है, वहाँ हर वर्ष महाशिवरात्रि पर एक भव्य गढ़ यात्रा आयोजित की जाती है। इस यात्रा में

एक दिन पूर्व से लगातार पाँच दिनों तक लगने वाला यह मेला आदिवासी लोक संस्कृति का अनूठा दर्शन कराता है। इस मेले में लाखों भक्त

आदिवासी लोग सवा महीने का व्रत-उपवास कर याहा पांडोरी देवमोगरा के चरणों में धान-अन्न श्रद्धापूर्वक समर्पित करते हैं और इसके बाद नए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 15 नवंबर को नर्मदा जिले में जनजातीय गौरव दिवस के राष्ट्रीय स्तर के समारोह में शामिल होंगे

गांधीनगर, (जीएनएस)। :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से इस वर्ष गुजरात सहित देशभर में आदिजाति समाज के जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भव्य रूप से मनाई जा रही है। आदिजाति समुदाय के पराक्रम, बलिदान एवं सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री ने 15 नवंबर को ह्यजनजातीय गौरव दिवसह्ल के रूप में मनाने का निर्णय किया था। इस वर्ष जनजातीय गौरव दिवस का राष्ट्रीय स्तर का उत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुजरात में नर्मदा जिले के डेडियापाडा में आयोजित होगा। नर्मदा जिले की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री प्रसिद्ध याहामोगी देवमोगरा धाम में माताजी के दर्शन करेंगे। सतपुड़ा पर्वतमाला में प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित यह मनमोहक धाम आदिजाति समाज के लोगों की आस्था का केन्द्र है, जिसकी महिमा अनूठी है।

नर्मदा जिले की सागबारा तहसील के देवमोगरा में आदिजातियों की कुलदेवी पांडोरी माता (याहमोगी) का मंदिर स्थित है। सतपुड़ा की पर्वतमालाओं में प्रकृति की गोद में बसे इस धाम में स्वयंभू याहा पांडोरी देवमोगरा माता आदि-अनादि काल से स्वयं कणी-कंसरी के रूप में विराजमान हैं। यहाँ गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान के आदिजाति समुदाय के लोग याहामोगी पांडोरी की कुलदेवी के रूप में अपार श्रद्धा-आस्था तथा भक्ति के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। इस पवित्र हेला दाब की आदि-अनादि काल से बहुत अनूठी महिमा रही है।

हजारों वर्ष पूर्व जब इस प्रदेश में भीषण अकाल पड़ा था, तब माताजी ने देवमोगरा धाम पर स्वयं वास किया था। भीषण अकाल के कारण अन्न-जल की किल्लत पैदा हुई और पशु-पक्षी तथा मानव; सभी दुःखी हो गए। ऐसे संकट की घड़ी में इस क्षेत्र के प्रजापालक गोर्या कोठार ने आवश्यक अन्न का वितरण करना शुरू किया, परंतु आगे चलकर गोर्या कोठार के अन्न भंडार भी खाली होने लगे। तब हुए हैं। अर्थात आदि-अनादि काल से लेकर आज तक माताजी के अन्न भंडार समग्र मानव जाति के लिए सदैव भरे रहे हैं।

सागबारा तहसील के देवमोगरा गाँव में स्थित इस मंदिर में अनेक पीढ़ियों से लाखों भक्त माताजी के चरणों में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ अपनी समस्याओं तथा दुःखों का निवारण प्राप्त करने के लिए आते हैं। मंदिर के पुजारी द्वारा माताजी का आ'ान किया जाता है और आशीर्वाद देकर हर व्यक्ति के कल्याण की मंगलकामना की जाती है। माताजी के चरणों में जो भी दुःखी व्यक्ति रोता हुआ आता है, वह हँसता हुआ वापस लौटता है।

आदिवासी लोक संस्कृति का अनूठा दर्शन कराता है महाशिवरात्रि का मेला

प्रतिवर्ष माघ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तथा महाशिवरात्रि के परंपरागत वाद्ययंत्रों तथा नृत्य के साथ माताजी को गढ़ में जंगलों-पर्वतों के बीच स्थित प्राकृतिक झरने में स्नान कराया जाता है। इतना ही नहीं; माताजी की पूजा करके आगामी वर्ष के लिए खेतीबाड़ी और बरसाती मौसम का (होलको ठोक कर) अनुमान लगाया जाता है। हजारों श्रद्धालु इस अनुमान के अनुसार खेतीबाड़ी का पूर्व आयोजन करते हैं। मेले के दौरान माता के प्रांगण में स्थित काकड़ के पेड़ पर एक ही रात में फूल आ जाते हैं। सुबह भक्त उसके दर्शन करते हैं और मानते हैं कि जिस दिशा में सबसे ज्यादा फूल हों, उस दिशा में वर्ष के दौरान खेतीबाड़ी का काम अच्छा होगा।

माताजी के दर्शन के लिए जुटते हैं, जो वास्तव में आ'ादक दृश्य होता है। इस मंदिर में बाईं ओर श्यामवर्णी महाकाली माता की मूर्ति के भी लोग दर्शन करते हैं। इस प्रकार; एक ही मंदिर में दो माताजी विराजमान हैं।

देवमोगरा धाम : आदिजाति समाज की आस्था, परंपरा तथा संस्कृति का जीवंत प्रतीक

आदिजाति समुदाय हजारों वर्षों से अपनी अनूठी परंपरा का पालन करता है, जिसमें वे संपूर्ण श्रद्धा के साथ नई फसल को बाँस की टोकरी में रखते हैं और सब्जी-भाजी, पूजा सामग्री की हिजारी (हिंगारी) बांधकर उसे सिर पर रखकर एवं रंगबिरंगी वस्त्र पहनकर तथा महिलाएँ सोने-चांदी के आभषणों से सज्ज होकर गाजे-बाजे के साथ होब यात्रा पर निकलते हैं। धान का सेवन किया जाता है। इस प्रकार; देवमोगरा धाम केवल एक स्थानक ही नहीं है, बल्कि आदिजाति समाज की आस्था, परंपरा एवं संस्कृतिक का जीवंत प्रतीक है और स्थानीय प्रदेश के घेरिया (महिला पोशाक में पुरुषों की टोली) होली-धुलंडी के त्योहार के दौरान सवा महीने घर से बाहर निकल कर घर-घर घूमते हैं और घेरिया बनते हैं और नौ रस के श्रृंगार के साथ मुक्त मन से नाच-गान करते हैं। धुलंडी से पूर्व के दिन होली चौक में होलिका प्रज्ज्वलित की जाती है और महिलाएँ भी परंपरागत वेशभूषा में सज्ज होकर कर वाद्ययंत्रों के साथ नाच-गान करते हुए होली के लोले (लोक गीत) गाकर आनंद-उत्सव मनाती हैं।

बिहार चुनाव परिणाम आकलन

क्या धुंध के पीछे छुपा सूर्य : आज से नई सुबह की आगाज करेगा ?

कुश मेहता

रात भर छाए अनुमान, दावों और दलीलों की धुंध अब धीरे-धीरे हटने लगी है। बिहार की सुबह कुछ अलग है— सड़कें शांत हैं, हवा में हल्की नमी है, और हर चेहरे पर एक अनकहा इंतजार। कोई अपने हिसाब से परिणाम लिख चुका है, कोई अभी भी गणित जोड़ रहा है, लेकिन आज का सवेरा तय करेगा कि जनमत की रोशनी किसके माथे चमकेगी और किसके चेहरे की धुंध और गहरी हो जाएगी।

सुबह के पहले उजाले के साथ ही ईवीएम की खामोशी टूटेगी, और उसी क्षण से शुरू होगा सच्चाई का उजाला—वही उजाला जो बताएगा कि सत्ता की धूप किसे मिलेगी और किनके सपने कोहरा बनकर उड़ जाएँगे। बिहार का नया सवेरा अब बस कुछ कदम दूर है, बस धुंध पूरी तरह छँटने की देर है।

आज जब परिणाम की घड़ी करीब आ रही है, तो उस सूर्य की किरणें राजनीति की धुंध को चीरने को तैयार हैं। सहमे चेहरे, गूंगी घोषणाएं, उभरी उम्मीदें — सब एक-एक करके खुले मैदान में उतरने वाले हैं। इस नए सवेरे में पता चलेगा कि किसके हाथ में सत्ता की जमीं होगी, और किसके मार्ग पर ही धुंध फिर लौटेगी।

वोटर की उमड़ी लहर, गठबंधनों की उलझन, पुराने अनुभव की खामोशी — सब मिलकर इस सुबह को विशेष बना रहे हैं। अगर वो सूरज समय-से पहले परिणाम के रुझान निकालने लगे तो शायद सत्ता की छांव जल्दी छँटेगी; और यदि धुंध ने ताल ठोक दी, तो इंतजार लम्बा खिंच सकता है।

Axis My India के अनुसार, (एनडीए) को लगभग 121–141 सीटें मिल सकती हैं।

वहीं दूसरी ओर, महागठबंधन को को लगभग 98–118 सीटें मिलने का अनुमान है।

एक अन्य पोलस्टर, Today's Chanakya, एनडीए को 160 ±12 सीटें तक का विजयी आंकलन दे रहा है, जबकि महागठबंधन को लगभग 77 ±12 सीटें।

अधिकांश समाचार समीक्षाएं एन डी ए को स्पष्ट बहुमत का संकेत दे रहे है किंतु इस बार बिहार में रिकॉर्ड तोड़

मतदान ऊंट किस करवट बैठेगा उसकी कवायद की कथा भी लिखने को आतुर है अब यह कथा यथावत जारी रखेगी या कांटे की टक्कर से किसी और का भविष्य बनाएगी यह आज दोपहर तक स्पष्ट हो जाएगा ,

परन्तु यह भी सत्य साबित होगा कि कई परिणाम

चौंकाने वाले हो सकते है जन सुराज पार्टी अपने टारगेट से दो अंकों में पहुंच कर अनेक लोगों का समीकरण बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

धुंध अभी पूरी तरह नहीं छँटी। ये अनुमान बताएँगे कि किसके फूल खिले हैं और किसके पंख उड़ान भरने से पहले कतर रहे हैं। और जैसे-जैसे परिणाम सामने आएँगे, वही तय करेगा कि बिहार की सुबह कौन जागते चेहरे लेकर आएगी — सत्ताधारी गठबंधन का आत्मविश्वास, या विरोधियों का नया जोश।

प्रमुख सर्वे-एजेंसियों द्वारा 2025 बिहार चुनाव के पूर्वार्ध और एग्जिट-पॉल के एजेंसी-वार अनुमान दिए जा रहे हैं

एजेंसी का नाम अनुमानित सीट एनडीए एवं महागठबंधन

Axis My Iindia 121–141 सीटें 98–118 सीटें अपेक्षाकृत संकुचित रेंज, मुकाबला करीब दिखा रहा है

IANSaMatrize 147–167 सीटें 70–90 सीटें

एनडीए को बहुत बड़ा अनुमान

People's Insight 133–148 सीटें 87–102 सीटें

Chankya Strategies 130–138 सीटें 100–108 सीटें मुकाबला बहुत करीब दिखा रहा है

Danik Bhaskar 145–160 सीटें 73–91 सीटें एनडीए को बहुत ऊँचा अनुमान

अन्य-एजेंसियाँ (जैसे JVC Poll, PMarq, TIF Research) ~135–162 सीटें एनडीए को स्पष्ट बहुमत का अनुमान

प्रमुख निष्कर्ष

अधिकांश सर्वे-एजेंसियों ने एनडीए को बहुमत से ऊपर सीटें मिलने का अनुमान दिया है।

लेकिन रेंज काफी भिन्न-भिन्न है — कुछ एजेंसियाँ बहुत उच्च (145–160+) सीटें दे रही हैं, तो कुछ अपेक्षाकृत 'नजदीकी मुकाबला' (121–141) का अनुमान दे रही हैं।

मतलबः वोट शेयर में मुकाबला बेहद करीब दिख रहा है, लेकिन सीटों में एनडीए को लाभ का संकेत मिलने लगा है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि नए दल/गुट जन सुराज पार्टी को अधिकांश अनुमान में बहुत कम सीटें दिख रही हैं। किंतु उम्मीद है की यह भी समीकरणों को बहुत प्रभावित करेगा ।

कुश मेहता
राजनीतिक विश्लेषक
एवं स्वतंत्र पत्रकार
साबरमती तट ,अहमदाबाद

बोफा का अडानी समूह पर 'ओवरवेट' रेटिंग के साथ कवरेज शुरू, फंडिंग एक्सेस मजबूत का भरोसा, समझें गेम

(जीएनएस)।

अमेरिकी निवेश बैंक 'बैंक ऑफ अमेरिका' (बोफा) ग्लोबल रिसर्च ने अडानी समूह पर क्रेडिट कवरेज शुरू करते हुए उसके कई यूएस डॉलर बॉन्ड्स पर 'ओवरवेट' रेटिंग दी है। रिपोर्ट में समूह की मजबूत वित्तीय स्थिति, बेहतर डीलीवरेजिंग (ऋण कम करने की प्रक्रिया) और घरेलू-अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एक्सेस को हाइलाइट किया गया है, जो 2023 की हेनगे शॉर्ट-सेलर रिपोर्ट और 2024 के यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस (DOJ) के अभियोग जैसे विवादों के बीच एक सकारात्मक संकेत है।

बोफा ने अडानी को 'उच्च गुणवत्ता वाला इंफ्रास्ट्रक्चर क्रेडिट' करार दिया, जो एशियाई समकक्षों की तुलना में आकर्षक वैल्यूएशन ऑफर करता है। लेकिन रिपोर्ट ने जोखिमों – जैसे ऊढख केस का प्रतिकूल फैसला या गवर्नेंस आरोपों का फिर से उभरना – पर भी चेतावनी दी है। आइए, इस रिपोर्ट की गहराई में उतरें, जो अडानी शेयरों को बूस्ट दे रही है और बाजार में नए निवेश के द्वार खोल रही है।

अल्लि ऋ्ऋ्ढ्ढ४स्र २ इङ्गल्लरि ठी६२

अडानी समूह की वित्तीय मजबूतीः EBITDA 10.5 अरब डॉलर, डेट-टू-EBITDA रेशियो में सुधार

बोफा की रिपोर्ट के मुताबिक, अडानी समूह का वित्त वर्ष 2025 का EBITDA (अर्निंग्स बिफोर इंटरेस्ट, टैक्स, डेप्रिशिएशन एंड अमॉर्टाइजेशन) ₹89,800 करोड़ (लगभग 10.5 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जिसमें 80% से ज्यादा योगदान उसके कोर इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस – जैसे पोर्ट्स, यूटिलिटीज और रिन्यूएबल एनर्जी – से आया। समूह का शुद्ध ऋण-से-EBITDA अनुपात F 19 के 3.8x से घटकर 2.6x हो गया, जो डीलीवरेजिंग की मजबूत रणनीति को दशार्ता है।

पिछले एक साल में अडानी ने रिफाइनेंसिंग और इक्विटी इनवेस्टमेंट के जरिए 6 अरब डॉलर से ज्यादा की फंडिंग जुटाई। रिपोर्ट में सक्रिय लायबिलिटी मैनेजमेंट का जिक्र है, जिसमें 400 मिलियन डॉलर से ज्यादा के बॉन्ड बायबैक शामिल हैं, जिससे स्प्रेड्स (ब्याज दरों का अंतर) कम हुए और ड्यूरेशन मैनेजमेंट में सुधार आया।

भारत के सेबी ने समूह की कंपनियों पर चल रही 24 जांचों में से 22 को क्लोज कर दिया है, जबकि फिच और S&P ने क्रेडिट प्रोफाइल पर स्थिर या पॉजिटिव आउटलुक बहाल किया। पिछले तीन सालों में कोई बड़ी क्रेडिट डाउनग्रेड नहीं हुई, जो समूह की रेजिलिएंस (लचीलापन) को दिखाता है।

प्रमुख कंपनियों पर ओवरवेट कॉलः पोर्ट्स से रिन्यूएबल्स तक मजबूत प्रोजेक्टेड ग्रोथ

बोफा ने चुनिंदा बॉन्ड्स पर ओवरवेट रेटिंग दी, जो समूह की डाइवर्सिफाइड ऑपरेशंस को रिफ्लेक्ट करती हैः

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (ADSEZ): भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर ऋ25 में ₹18,400 करोड़ का एइक्लऊअ पोस्ट किया, जो पिछले साल से 14% ज्यादा है। कंपनी कैपेक्स को दोगुना कर ₹15,000 करोड़ करने की प्लानिंग कर रही है, जबकि लिवरेज को 2.4७ पर रखेगी। बोफा ने अऊऐ 2031/32 बॉन्ड्स पर ओवरवेट कहा, डाइवर्सिफाइड पोर्ट ऑपरेशंस और स्टिकी कार्गो वॉल्यूम्स का हवाला देते हुए।

अडानी इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल (ADINCO): MSC के साथ JV, 54% मार्जिन पर ऑपरेट करती है। FY28 तक लिवरेज को 1.0x तक कम करने का टारगेट। बोफा ने 2031 बॉन्ड्स पर ओवरवेट रिकमेंडेशन दी।

अडानी ट्रांसमिशन (ADTIN): देश की लीडिंग प्राइवेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी, 5.0७ लिवरेज रेशियो के साथ। कवरेज 2७ से ज्यादा और रेगुलेटरी कैश फ्लोज स्टेबल। अगले तीन सालों में लिवरेज 6७ से नीचे रखने का अनुमान।

अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई (ADANEM): कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की 25.1% स्टेकहोल्डिंग के साथ, 15–17% रेगुलेटेड रिटर्न और 3.8७ लिवरेज। बोफा ने 2030 बॉन्ड्स पर ओवरवेट कहा।

अडानी ग्रीन एनर्जी (AGELE RGS): टोटलएनर्जीज के खश, रिन्यूएबल प्रोजेक्ट्स सिक्योर्ड एसेट्स और लॉन्ग-टर्म काउंटरपार्टीज से बेनिफिटेड।

बोफा ने कहा, 'समूह का सॉलिड एसेट बेस कैश फ्लो और क्रेडिट प्रोफाइल को एंकर करता है, खासकर पोर्ट्स, यूटिलिटीज और रिन्यूएबल्स सेक्टर में।'

लचीला फंडिंग और मार्केट एक्सेसः एशियाई पीयर्स से बेहतर वैल्यू

रिपोर्ट में जोर दिया गया कि सिस्टेमिक रिस्क्स कंट्रोल्ड हैं, और अडानी को घरेलू व ग्लोबल फंडिंग तक मजबूत एक्सेस है। समूह के बॉन्ड्स एशियाई इन्वेस्टमेंट-ग्रेड पीयर्स (भारत, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, चीन) की तुलना में वाइडर स्प्रेड्स पर ट्रेड कर रहे हैं, जो 20–40 बेसिस पॉइंट्स की टाइटनिंग का अवसर देते हैं।

चाचा नेहरू के जन्मदिन पर क्यों मनाया जाता है बाल दिवस, कैसे शुरू हुई ये परंपरा ?

(जीएनएस)।

हर साल की तरह इस वर्ष भी 14 नवंबर को पूरे भारत में बाल दिवस बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। बच्चों के प्रति उनके प्रेम और स्नेह के कारण उन्हें स्नेहपूर्वक 'चाचा नेहरू' कहा जाता है।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। वे बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और कल्याण के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना था कि बच्चों का विकास ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।

भारत में बाल दिवस का इतिहास?

शुरूआती दौर में भारत भी 20 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यूनिवर्सल चिल्ड्रन डे मनाता था। नेहरू जी के निधन के बाद वर्ष 1964 में एक राष्ट्रीय समिति ने निर्णय लिया कि उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा, ताकि उनके विचारों और बच्चों के प्रति समर्पण को याद किया जा सके।

नेहरू का विश्वास था कि बच्चे ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उनका मानना था कि अगर बच्चों को सही दिशा, शिक्षा और स्नेह मिले, तो वे देश को एक मजबूत भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। समय के साथ, बाल दिवस सिर्फ एक उत्सव नहीं रहा बल्कि यह बच्चों के कल्याण और शिक्षा के प्रति देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गया।

2025 का बाल दिवस थीम क्या है?

इस साल बाल दिवस 2025 की थीम है – हर बच्चे के लिए हर अधिकार। यह विषय संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकारों के वैश्विक प्रयासों से मेल खाता है, जिसका उद्देश्य हर बच्चे को समान अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदान करना है, चाहे उसका सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कोई भी हो। भारत में जहां 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है, वहीं विश्व स्तर पर यूनिवर्सल चिल्ड्रन डे 20 नवंबर को मनाया जाता है। दोनों ही दिवसों का मकसद एक ही है – यह सुनिश्चित करना कि हर बच्चा प्यार, सुरक्षा और समान अवसरों के साथ बड़ा हो सके।

बाल दिवस का महत्व

चाचा नेहरू अक्सर ये कहा करते थे कि, "आज के बच्चे कल का भारत बनाएंगे। जिस तरह हम उन्हें आज शिक्षित और संस्कारित करेंगे, वही हमारे देश का भविष्य तय करेगा।" बाल दिवस का उद्देश्य भी यही है कि हर बच्चों के अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। यह दिन बच्चों के लिए सुरक्षित, स्नेहमय और प्रेरणादायक वातावरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता की याद दिलाता है।

बाल दिवस सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प है – बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें समान अवसर देने का। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षा और स्वस्थ जीवन का अधिकार है।

यह अवसर बचपन की मासूमियत, ऊर्जा और जिज्ञासा का उत्सव है। पंडित नेहरू का मानना था कि बच्चों में अपार संभावनाएं हैं और यदि उन्हें सही मार्गदर्शन मिले तो वे देश का भविष्य बदल सकते हैं।

ऐसे मनाया जाता है बाल दिवस?

बाल दिवस के अवसर पर देशभर के स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाटक, गीत-संगीत, खेल प्रतियोगिताएं और भाषण प्रतियोगिताएं शामिल होती हैं। कई स्कूलों में 'टीचर-स्टूडेंट रोल रिवर्सल' की परंपरा भी निभाई जाती है, जिसमें छात्र एक दिन के लिए शिक्षक बनते हैं और शिक्षक उनके छात्रों की भूमिका निभाते हैं। यह न केवल बच्चों के लिए मनोरंजक होता है बल्कि उन्हें जिम्मेदारी और नेतृत्व के महत्व का भी अनुभव कराता है।

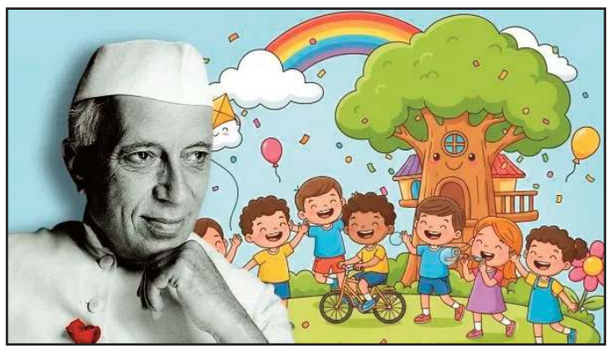

बाल दिवस हमें यह सिखाता है कि हर बच्चा अद्वितीय है, और उसे समान अवसर, शिक्षा, प्यार और सुरक्षा का अधिकार है। चाचा नेहरू की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं – यदि हम बच्चों के भविष्य में निवेश करेंगे, तो भारत का भविष्य स्वयं उज्जवल होगा।

शेन वॉटसन की आईपीएल में वापसी, विनर टीम के साथ जुड़े, अब दिखेगा धमाल

(जीएनएस)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर शेन वॉटसन एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी करने जा रहे हैं, लेकिन इस बार उनकी भूमिका बल्ले और गेंद की नहीं, बल्कि कोचिंग की होगी। उन्हें तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (ङङफ) का सहायक कोच नियुक्त किया गया है।

वॉटसन का यह नया अध्याय उन्हें क्ढछ में एक नई जिम्मेदारी सौंपता है, जहाँ उन्हें टीम की रणनीति मैच की बारीकियों पर काम करना होगा। ङङफ के मैनेजमेंट ने उन्हें कोचिंग स्टाफ में शामिल कर एक ऐसे अनुभवी पर भरोसा जताया है, जिसने खुद को क्ढछ के सबसे सफल ऑलराउंडरों में से एक साबित किया है।

अनुभव का खजाना

यह पहली बार नहीं है जब वॉटसन कोचिंग की भूमिका निभा रहे हैं। IPL 2022 और 2023 सीजन में वह दिल्ली कैपिटल्स (DC) के सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। ङङफ के साथ, वह मुख्य कोच अभिषेक नायर और टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो जैसे दिग्गजों के साथ मिलकर काम करेंगे। यह तिकड़ी मिलकर टीम को आगामी सीजन के लिए मजबूत करने और खिताब की दौड़ में वापस लाने का महत्वपूर्ण प्रयास करेगी।

खिताब की नई उम्मीद

अपनी नई भूमिका को लेकर शेन वॉटसन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने विश्वास जताया है कि वह ङङफ के कोचिंग ग्रुप और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करते हुए फ्रेंचाइजी को एक और क्ढछ खिताब दिलाने में सफल होंगे। एक खिलाड़ी के रूप में, वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स (2008) और चेन्नई सुपर किंग्स (2018) को खिताब दिलाने में अहम योगदान दिया था, और अब उनकी कोचिंग विशेषज्ञता KKR के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगी।

साल 2024 में टाइटल जीतने वाली केकेआर की तरफ से तेजी से बदलाव इसलिए किये जा रहे हैं क्योंकि पिछले आईपीएल में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा था। इसी वजह से केकेआर ने नीलामी से पहले ही कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। उनसे पहले अभिषेक नायर को कोच नियुक्त किया था।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

रेल मंत्रालय ने फिरोजपुर-पट्टी रेल लिंक परियोजना (25.72 कि.मी.) को मंजूरी दी रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री

रेलवे ने पंजाब के मुख्य सचिव को भूमि के शीघ्र अधिग्रहण हेतु पत्र लिखा परियोजना से लगभग 10 लाख लोगों को लाभ होगा और लगभग 2.5 लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे

चंडीगढ़ :

रेल मंत्रालय ने फिरोजपुर-पट्टी रेल लिंक परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना कुल 25.72 किलोमीटर लंबी होगी और इसकी अनुमानित लागत ₹764.19 करोड़ है, जिसमें से ₹166 करोड़ भूमि अधिग्रहण के लिए निर्धारित हैं, जो रेलवे द्वारा वहन किए जाएंगे।

आज मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी देते हुए रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने कहा कि यह परियोजना रणनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे फिरोजपुर और अमृतसर के बीच की दूरी 196 किलोमीटर से घटकर लगभग 100 किलोमीटर रह जाएगी, जबकि जम्मू-फिरोजपुर-फाजिल्का-मुंबई कॉरिडोर की दूरी 236 किलोमीटर कम हो जाएगी। यह परियोजना मालवा और माझा क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगी, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार होगा।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, और रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का आभार व्यक्त करते हुए बिट्टू ने कहा कि यह पंजाब के लिए एक ऐतिहासिक उपहार है। नई रेल लाइन जालंधर-फिरोजपुर और पट्टी-खेमकरण मार्गों को जोड़ेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक सीधा और वैकल्पिक संपर्क स्थापित होगा। यह मार्ग रणनीतिक रक्षा महत्व वाले क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जिससे सैनिकों, उपकरणों और आपूर्ति की तेज आवाजाही सुनिश्चित होगी।

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि इस परियोजना से बड़े पैमाने पर सामाजिक और आर्थिक फायदे होंगे। इससे लगभग 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा और लगभग2.5 लाख रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। यह रेल लाइन प्रतिदिन 2,500 से 3,500 यात्रियों के लिए सुविधा प्रदान करेगी, जिससे विशेष रूप से छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीण मरीजों को लाभ पहुंचेगा। यह रेल लिंक व्यापार और औ द्योगिक विकास को गति देगा, माल परिवहन लागत को कम करेगा तथा कृषि बाजारों तक पहुंच आसान बनाएगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी ढांचे में निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। नई रेल लाइन अमृतसर, जो एक प्रमुख व्यावसायिक, शैक्षणिक और धार्मिक केंद्र है और जहां प्रतिदिन एक लाख से अधिक पर्यटक आते हैं, को फिरोजपुर से तेज और मजबूत संपर्क प्रदान करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह नया मार्ग विभाजन के समय खोए हुए ऐतिहासिक रूट को पुनर्जीवित करेगा, जिससे फिरोजपुर-खेमकरण की दूरी 294 किलोमीटर से घटकर 110 किलोमीटर रह जाएगी।

डीआरएम अंबाला श्री विनोद भाटिया, सीपीएम/निर्माण श्री अजय वार्ष्णेय, सीपीएम/आरएलडीए श्री बलबीर सिंह, एडीआरएम फिरोजपुर श्री नितिन गर्ग एवं श्री धनंजय सिंह, ईडीपीजी/रेल राज्यमंत्री भी वहां मौजूद थे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं पश्चिम रेलवे के मध्य हुए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत तीन रेल कर्मचारियों के परिवार को को वित्तीय सहायता राशि का वितरण

(जीएनएस)।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और पश्चिम रेलवे के मध्य हुए समझौता ज्ञापन (टडव) के अंतर्गत भावनगर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें यूनियन बैंक की ओर से मृतक रेल कर्मचारियों के परिजनों को वित्तीय सहायता राशि प्रदान की गई।

इस अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने उक्त समझौते की प्रमुख शर्तों, लाभों एवं बीमा सुरक्षा से संबंधित जानकारियाँ विस्तार से साझा कीं। यह पहल रेलवे कर्मचारियों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मृतक कर्मचारी श्री नरेंद्रसिंह जे गोहिल, कार्यालय अधीक्षक, भावनगर टर्मिनस के आश्रित को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के द्वारा दिया गया । साथ ही, मंडल रेल प्रबंधक तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों द्वारा श्री नरेंद्र सिंह गोहिल के परिजनों को ₹ 1 करोड़ 15 लाख की राशि का चेक संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त श्री विपिनभाई मकवाना, कार्यालय अधीक्षक, भावनगर मंडल कार्यालय के परिजन को ₹10 लाख की राशि एवं श्री किशोरसिंह, कनिष्ठ अभियंता, भावनगर टर्मिनस के परिजन को ₹10 लाख की राशि वल्लङ्कल्ल इंल्ल' ङ्का क्ल्र्ग की ओर से प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने की। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा सहित सभी शाखा अधिकारी एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा जी ने अपने संबोधन में कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों के हित में की गई यह पहल न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि बैंक और रेलवे के बीच आपसी सहयोग एवं विश्वास को भी और मजबूत करती है।'

कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिकअधिकारी श्री हुबलाल जगन के मार्गदर्शन में किया गया एवं संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी श्री वाई राधेश्याम द्वारा किया गया । अंत में बैंक एवं रेलवे के अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

मतगणना से पहले चिराग पासवान ने किसे कहा- आई लव यू ?

(जीएनएस)। साल 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे 14 नवबंर को आने वाले हैं। आने वाले 24 घंटों में तय हो जाएगा कि अगले 5 साल में बिहार में कौन राज करने वाला है। 11 -12 नवंबर की शाम को न्यूज चैनलों और एजेंसी की ओर से एग्जिट पोल जारी किए गए हैं, जिसमें से अधिकांश में कहा जा रहा है कि 'बिहार में एनडीए की वापसी हो रही है।'

हालांकि राजद और कांग्रेस दोनों ने इसे ठुकराते हुए कहा कि 'शुक्रवार की सुबह सारे एग्जिट पोल को गलत साबित करेगी और राज्य में महागठबंधन की सरकार बनेगी।' इन्हीं दावों के बीच लोगों कि निगाहें खुद को 'पीएम मोदी का हनुमान' कहने वाले चिराग पासवन पर भी लगी हैं।

चिराग पासवान की पार्टी को एनडीए में 29 सीटें मिली थीं लेकिन एक सीट पर उनके प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो गया था, ऐसे में अब 28 सीटों पर ही चुनावी नतीजे आने हैं।

कई एग्जिट पोल में चिराग के लिए खुशखबरी है, उनकी स्थिति

मजबूत बताई जा रही है। सबसे ज्यादा उन्हें सीटें चाणक्य एग्जिट पोल में मिली है, उसने कहा है कि 'एलजेपी रामविलास इस बार 14 से 19 सीटें जीत सकती है' तो वहीं 'Matrize-IANS ने कहा कि चिराग के खाते में 7-9 सीटें आ सकती हैं।'

हालांकि एग्जिट पोल के पहले चिराग पासवान ने अठक की स्मिता प्रकाश के पोडकॉस्ट में कई अहमं बातें बताई हैं। उनसे पूछा गया था कि 'अगर ऐसे हालात आए कि एनडीए सरकार नहीं बना पाती है तो क्या वो महागठबंधन से हाथ मिलाएंगे?' तो इस पर चिराग ने कहा कि 'सवाल ही पैदा नहीं होता है, जब तक मेरे प्रधानमंत्री मोदी जी हैं , मैं कही नहीं जाने वाला हूं।'

तो क्या आप NDA में पीएम मोदी के कारण हैं? तो इस पर चिराग ने कहा कि 'बिल्कुल मैं उन्हीं की वजह से हूं, मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं, मेरा समर्पण मेरा प्यार सब पीएम मोदी के लिए, आई लवहिमबिट टू मच, मुझे केंद्र की ओर से कुछ जिम्मेदारियां दी गई हैं वो मैं पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा, दिल से कह रहा पीएम मोदी ने मेरा हाथ तब थामा जब सब बिखर गया था तो मैं तो कहीं नहीं जा रहा हूं, जो लोग अफवाएं फैला रहे हैं वो प्लीज बंद कर दें ऐसी बातें।'

एक नजर में देखें कौन सी एजेंसी ने Chirag Paswan की पार्टी को दीं कितनी सीटें

मैट्रिज-आईएएनएस- 7-9
चाणक्य- 14-19
पोल डायरी- 12-16
टीआईएफ रिसर्च- 12-14
पोलस्ट्रैट- 9-12

फिर से सस्ता हुआ सोना, चांदी में तेजी, दिल्ली से मुंबई तक क्या है 22 कैरेट गोल्ड का भाव

(जीएनएस)।

पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे सोने के दामों में आज राहत देखने को मिली है। 13 नवंबर को देशभर में सोना सस्ता हुआ है, जबकि चांदी के भाव में तेजी बनी हुई है। राजधानी दिल्ली से लेकर मुंबई, चेन्नई और कोलकाता तक 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं चांदी की कीमत 1,62,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड का भाव ₹1,25,650/10 ग्राम है और 22 कैरेट गोल्ड का भाव ₹1,15,190/10 ग्राम है। देश के आर्थिक और व्यापारिक केंद्र मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 22 कैरेट सोने का भाव ₹1,15,850 प्रति 10 ग्राम है। वहीं 24 कैरेट गोल्ड ₹1,25,020 प्रति 10 ग्राम पर चल रहा है।

- दिल्लीः 24 कैरेट - ₹1,25,650/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,190/10 ग्राम
- मुंबईः 24 कैरेट - ₹1,25,500/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,040/10 ग्राम
- अहमदाबादः 24 कैरेट - ₹1,25,550/10 ग्राम ` 22 कैरेट - ₹1,15,090/10 ग्राम
- चेन्नईः 24 कैरेट - ₹1,25,500/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,040/10 ग्राम
- कोलकाताः 24 कैरेट - ₹1,25,500/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,040/10 ग्राम
- हैदराबादः 24 कैरेट - ₹1,25,500/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,040/10 ग्राम

- जयपुरः 24 कैरेट - ₹1,25,650/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,190/10 ग्राम
- भोपालः 24 कैरेट - ₹1,25,550/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,090/10 ग्राम
- लखनऊः 24 कैरेट - ₹1,25,650/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,190/10 ग्राम
- चंडीगढ़ः 24 कैरेट - ₹1,25,650/10 ग्राम` 22 कैरेट - ₹1,15,190/10 ग्राम

13 नवंबर को चांदी के भाव में तेजी देखी गई है। देश में इसका रेट 162100 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का हाजिर भाव 0.86% की तेजी के साथ 51.66 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज किया गया।

- कैसे तय होती है देश में सोने की कीमत

भारत में सोने की कीमतों का निर्धारण सिर्फ घरेलू मांग और सप्लाई से नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार के रुझानों से भी प्रभावित होता है। सोने के रेट भारतीय रुपये और अमेरिकी डॉलर के एक्सचेंज रेट, ग्लोबल गोल्ड प्राइस, इम्पोर्ट ड्यूटी, और मनी लॉन्डरिंग प्रिवेंशन टैक्स जैसे कारकों पर निर्भर करते हैं। इसके अलावा, स्थानीय ज्वैलर्स एसोसिएशन भी अपने-अपने शहर में शुद्धता (कैरेट) के अनुसार दैनिक दरें तय करते हैं। यही वजह है कि एक ही दिन में अलग-अलग शहरों में सोने की कीमतों में मामूली फर्क देखने को मिलता है।

जनदर्शन से संवेदनशील शासन को मिली नई उड़ान, सपनों को मिला संबल

मुख्यमंत्री का सार्वजनिक जुड़ाव कार्यक्रम प्रभावी रूप से नागरिकों की चिंताओं को दूर करता है, सरकार की प्रतिक्रिया को दशार्ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई, जिससे सरकार और समुदाय के बीच विश्वास बढ़ा।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम ने फिर एक बार यह सिद्ध कर दिया कि शासन जब संवेदनशील होता है, तो जनता के सपने और विश्वास दोनों को नई उड़ान मिलती है। जनदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुँचे नागरिकों ने अपनी समस्याएँ, सुझाव और आकांक्षाएँ मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुन अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सरकार की जवाबदेही, संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता का सुंदर उदाहरण देखने को मिला।

जनता के विश्वास की मजबूत डोर है मुख्यमंत्री जनदर्शन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनदर्शन प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया, "हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का उसी समय समाधान किया जाए। कार्यक्रम में महिलाएँ, छात्र, किसान, बुजुर्ग और दिव्यांगजन बड़ी संख्या में पहुँचे। आवास, छात्रवृत्ति, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें से अधिकांश का समाधान उसी दिन कर दिया गया। लोगों के चेहरों पर राहत और संतोष की मुस्कान इस पहल की सफलता को बयां कर रही थी।

रायपुर की 11 वर्षीय पूनम, जो सेरेब्रल पाल्सी से जूझ रही है, जनदर्शन की सबसे भावुक झलक बनी। मुख्यमंत्री ने उसकी शिक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए विशेष विद्यालय में दाखिला और छात्रवृत्ति की घोषणा की। यह क्षण वहाँ मौजूद सभी के लिए भावनाओं से भरा रहा, जब एक बच्ची के भविष्य का जिम्मा मुख्यमंत्री ने अपने हाथ में ले लिया।

भिलाई निवासी कलाकार अंकुश देवांगन ने जनदर्शन में अपनी अद्भुत रचना प्रस्तुत की। अंकुश ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सूक्ष्म संगमरमर की प्रतिमा मुख्यमंत्री के माध्यम से उन्हें भेंट की। महज आधे सेंटीमीटर की यह प्रतिमा माइक्रोस्कोपिक लेंस से देखी जा सकती है। मुख्यमंत्री श्री साय

आतंकी हमले की साजिश में इस्तेमाल तीसरी कार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में हुई बरामद

(जीएनएस)।

दिल्ली के लाल किले के पास हुए बम धमाके की जांच में जुटी एजेंसियों ने अब आतंकियों की तीसरी संदिग्ध कार का पता लगा लिया है। सिल्वर रंग की एक मारुति ब्रेजा फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी की पार्किंग से बरामद की गई है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एटीएस और एनआईए की टीमें भी तत्काल मौके पर पहुंच गईं।

जांच अधिकारियों ने बम निरोधक दस्ते और फॉरेंसिक टीम को बुलाया है, जो गाड़ी की गहन जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, यह ब्रेजा कार भी मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी के संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ी है, जो सोमवार को हुए रेड फोर्ट ब्लास्ट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है।

यह ब्रेजा कार डॉ. शाहीन के नाम पर पंजीकृत है, जिसकी एक और गाड़ी पहले ही छापेमारी में पकड़ी जा चुकी है। उस गाड़ी से पुलिस को असॉल्ट राइफल मिली थी। अब तक की जांच में कुल चार गाड़ियां सामने आई हैं, जिनमें यह ब्रेजा भी शामिल है।

32 वाहनों को विस्फोट से लैस कर कई शहरों में हमले की तैयारी थी

खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली के लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट से जुड़े एक बड़े आतंकी साजिश का खुलासा किया है, जिसमें 13 लोग मारे गए थे। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि इसमें 32 वाहनों को विस्फोटक से लैस कर कई शहरों में समन्वित हमलों की योजना शामिल थी। खुफिया सूत्रों के अनुसार, यह जांच तब और बढ़ गई जब पता चला कि आरोपियों ने हमलों में संभावित उपयोग के लिए पहले ही दो वाहनों - एक हुंडई i20 और एक फोर्ड इकोस्पोर्ट - को संशोधित करना शुरू कर दिया था।

पहली गाड़ी भी फरीदाबाद में हुई थी बरामद

पहली गाड़ी मारुति स्विफ्ट थी, जो डॉ. शाहीन के नाम पर फरीदाबाद से बरामद हुई थी और उसमें असॉल्ट राइफल मिली थी। दूसरी सफेद रंग की हुंडई i20 थी, जिसे उमर नबी चला रहा था और जिसके जरिए विस्फोट को अंजाम दिया गया।

तीसरी कार अल-फलाह यूनिवर्सिटी की पार्किंग से मिली

तीसरी मारुति ब्रेजा कार, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी की पार्किंग से मिली है। फरीदाबाद पुलिस ने यूनिवर्सिटी कैंपस को अस्थाई रूप से सील कर दिया है और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। यूनिवर्सिटी प्रशासन से पूछताछ की जा रही है कि यह वाहन किसने और कब पार्क किया था। वहीं चौथी लाल रंग की इको स्पोर्ट थी, जिसकी जांच अभी जारी है।

जांच एजेंसियों को संदेह है कि इस ब्रेजा का इस्तेमाल या तो रसद सहायता के लिए किया गया होगा या फिर धमाके से पहले विस्फोटक सामग्री के हस्तांतरण में। इस बीच, लाल किले के पास विस्फोट वाले दिन का एक नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

सरपंचों के लिए बड़ी खुशखबरी- अब इतने लाख तक के काम बिना अनुमति के, जानिए पंचायत को कैसे मिलेगा फायदा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की रफ्तार अब और तेज होने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार (11 नवंबर 2025) को भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित त्रिस्तरीय सरपंच संयुक्त मोर्चा महासम्मेलन में सरपंचों को बड़ी सौगात दी।

सीएम ने घोषणा की कि अब सरपंच 25 लाख रुपये तक के विकास कार्य अपने अधिकार से करा सकेंगे, बिना किसी ऊपरी अनुमति के। साथ ही, प्रत्येक पंचायत को 50-50 हजार रुपये की राशि विकास कार्यों के लिए दी जाएगी।

हर पंचायत को 50 हजार रुपये की सौगात- उट मोहन यादव

यह राशि पंचायतों के खाते में सीधे ट्रांसफर होगी। सीएम ने कहा, "त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में सरपंच के पास जो शक्तियां हैं, वो सांसद और विधायकों को भी नहीं हैं। सरपंच अपनी पंचायत को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।" इस मौके पर सीएम ने 2472 अटल पंचायत भवन, 1037 सामुदायिक भवन, 106 जनपद पंचायत भवन और 5 जिला पंचायत भवन स्वीकृत करने की भी घोषणा की।

शांतिधाम निर्माण में जिला प्रशासन सहायता करेगा। 2026 को 'कृषि वर्ष' घोषित करते हुए कृषि आधारित उद्योगों पर जोर दिया। यह फैसला राज्य की 23,000 से अधिक पंचायतों के सरपंचों के लिए गेम चेंजर साबित होगा, जो लंबे समय से फंड और अधिकारों की मांग कर रहे थे। 24-26 नवंबर को भोपाल में पंचायत प्रतिनिधियों की कॉन्फ्रेंस भी होगी। आइए, जानते हैं इस महासम्मेलन की पूरी डिटेल - सीएम के ऐलान से लेकर सरपंचों की प्रतिक्रिया, योजना का प्लान और ग्रामीण विकास पर प्रभाव तक।

सीएम मोहन यादव का संबोधन, सरपंचों का जोरदार स्वागत

भोपाल के जंबूरी मैदान को सरपंचों के रंग में रंग दिया गया। मंगलवार सुबह से ही राज्यभर से आए हजारों सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि और जनप्रतिनिधि जुटे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। सीएम ने मंच से कहा, "पंचायतें लोकतंत्र की जड़ हैं। सरपंचों के भरोसे विकास का कारवां चल रहा है। हमने फैसला लिया - अब सरपंच 25 लाख तक के कार्य अपने अधिकार से करा सकेंगे।"

सीएम ने आगे कहा, "त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में सरपंच के पास सांसद-विधायकों से ज्यादा शक्तियां हैं। अगर काम करने की भावना पवित्र है, तो ईश्वर भी मदद करते हैं।" सम्मेलन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा सहित कई नेता मौजूद रहे। सरपंचों ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

36 साल की 4 बच्चों की मां ने 20 साल के ड्राइवर को कैसे बनाया बॉयफ्रेंड, जानिए पूरी दर्दनाक कहानी

(जीएनएस)।

एक बार फिर प्यार का जाल किसी की जान ले गया। ग्वालियर में 36 साल की शादीशुदा महिला और चार बच्चों की मां नगीना खान ने 20 साल के टैक्सी ड्राइवर जावेद खान को खुद को 22 साल की कुंवारी बताकर दो साल तक फंसाए रखा।

झूठी कसमें, शारीरिक संबंध, साथ जीने-मरने की बातें... लेकिन जब जावेद को सच पता चला कि उसकी गर्लफ्रेंड उससे 16 साल बड़ी है, चार बच्चों की मां है, तो उसने विरोध किया। नगीना ने ब्लैकमेल शुरू कर दिया - झूठे केस में फंसाने की धमकी, मारपीट, गालियां।

36 साल की महिला ने 20 साल के ड्राइवर को कैसे बनाया बॉयफ्रेंड

आखिरकार 7 अक्टूबर 2025 की रात परेशान जावेद ने नगीना के घर की सीढ़ियों पर लोहे की ग्रिल में साफी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली। शातिर नगीना ने फंदा काटा, साफी छुपाई, चाकू आंगन में फेंका और सुबह 5 बजे जावेद को जेएएच ट्रॉमा सेंटर पहुंचाकर डॉक्टरों से कहा, "यह मेरा दोस्त है, बेहोश हो गया।" लेकिन तब तक जावेद की मौत हो चुकी थी।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में फांसी की पुष्टि हुई। परिजनों के बयान के बाद मंगलवार रात गिरवाई थाने में नगीना के खिलाफ क्ढउ की धारा 306 (खुदकुशी के लिए उकसाना) और 34 के तहत ऋक्र दर्ज कर ली गई। पुलिस नगीना को हिरासत में ले चुकी है। आइए, जानते हैं इस दर्दनाक प्रेम कहानी की पूरी सच्चाई - मुलाकात से मौत तक, नगीना के झूठ, जावेद के सुसाइड नोट और पुलिस जांच तक।

सब कुछ एक साल पहले शुरू हुआ। गिरवाई थाना क्षेत्र के सिद्ध बाबा पहाड़ी की घटिया में जावेद खान (20 वर्ष, पुत्र रफीक खान) अपने परिवार के साथ रहता था और प्राइवेट टैक्सी चलाता था। 2024 में नगीना खान (36 वर्ष) अपनी 7 साल की बेटी के साथ जावेद के मकान में किराए पर रहने आई। नगीना ने जावेद से दोस्ती की और बताया:

"मैं 22 साल की हूं, कुंवारी हूं।" "मेरे साथ जो बच्ची है, वह मेरी बहन की बेटी है।"

जावेद उसकी बातों में आ गया। पहले फोन पर घंटों बातें, फिर मिलने-जुलने लगे। नगीना ने जावेद को प्यार का जाल बुन लिया। दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं। करीब एक साल तक नगीना जावेद के घर में ही रही। इस दौरान दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने। लेकिन नगीना के चाल-चलन पर शक हुआ और जावेद के परिवार ने उसे घर से निकाल दिया।

नगीना अब जनकगंज के काला सैय्यद गोल पहाड़िया में रामश्री नाम की महिला के मकान में किराए पर रहने लगी। जावेद अब भी उसके पास जाता रहा। लेकिन धीरे-धीरे सच सामने आने लगा। जावेद को पता चलाः

नगीना की असल उम्र 36 साल है। वह शादीशुदा है, पति जिंदा है। उसके 4 बच्चे हैं (7 साल की बेटी सहित)। उसने सब कुछ झूठ बोला था।

जावेद ने विरोध किया, रिश्ता तोड़ना चाहा। लेकिन नगीना ने ब्लैकमेल शुरू कर दियाः

"अगर छोड़ा तो झूठा रेप केस लगा दूंगी।" "परिवार को बर्बाद कर दूंगी।" मारपीट, गालियां, धमकियां। जावेद मानसिक रूप से टूट गया। वह नगीना के पास जाता रहा, लेकिन अंदर से टूट चुका था।

7 अक्टूबर 2025 की रात जावेद नगीना के घर पर था। रात करीब 11 बजे उसने सीढ़ियों के दरवाजे की लोहे की ग्रिल पर अपनी साफी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जब नगीना नीचे आई तो उसने तुरंत फंदा काटा, साफी छुपाई, चाकू आंगन में फेंक दिया और जावेद को उठाकर सुबह 5 बजे जेएएच ट्रॉमा सेंटर ले गई। डॉक्टरों से कहाः

"यह मेरा दोस्त है। सुबह 4 बजे डोर बेल बजाई। दरवाजा खोला तो गेट से टिका खड़ा था। हाथ लगाया तो गिर पड़ा। बेहोश था।" लेकिन डॉक्टर अमित कुशवाह ने गले पर कसने के निशान देखकर पुलिस को सूचना दी। जावेद पहले ही मृत था।

पोस्टमॉर्टम और खुलासाः फांसी से मौत, परिजनों ने बताया सच

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में साफ हुआ - मौत फांसी से। पुलिस ने परिजनों के बयान लिए तो पूरा सच सामने आया। जावेद के पिता रफीक खान ने कहा, "नगीना ने मेरे बेटे को फंसाया, झूठ बोला, ब्लैकमेल किया। उसकी वजह से बेटा मर गया।" मंगलवार रात नगीना के खिलाफ धारा 306 और 34 में ऋक्र दर्ज। पुलिस ने नगीना को हिरासत में लिया।

गिरवाई TI ने कहा, "नगीना ने सबूत मिटाने की कोशिश की, लेकिन CCTV और गवाहों से पकड़ी गई। जावेद का फोन जब्त, चैट में ब्लैकमेल के सबूत।"

संक्षिप्त समाचार

कब और किस वक्त आएंगे बिहार चुनाव के परिणाम? कहां देखें लाइव काउंटिंग?

बिहार की राजनीति अब एक बड़े फैसले के सामने खड़ी है। 2025 के विधानसभा चुनावों की वोट गिनती शुक्रवार, 14 नवंबर को सुबह 8 बजे से शुरू हो रही है। इस चुनाव

में राज्य भर में मतदाताओं ने जबरदस्त भागीदारी दिखाई, और एग्जिट पोल ने एनडीए की मजबूत वापसी का संकेत दिया है। अब हर नजर विधानसभा की 243 सीटों पर लगी है, क्योंकि आज के नतीजे अगले पांच साल के लिए बिहार की राजनीति का नक्शा तय करेंगे। क्या नीतीश कुमार अपनी लंबी कार्यकाल वाली सरकार को जारी रख पाएंगे।

यूएस : कैलिफोर्निया में 17,000 विदेशी ट्रक ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द, सबसे ज्यादा रडार पर भारतीय!

(जीएनएस)।

कैलिफोर्निया में 17,000 विदेशी ट्रक चालकों के कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की तैयारी में है। इस फैसले से भारतीय मूल के सैकड़ों ट्रक चालक प्रभावित हो सकते हैं, जिन्होंने अमेरिका में ट्रक चालकों की कमी के दौरान काम का अंतर भरा था। साथ ही कई चालक गलत दिशा में ड्राइविंग करते हुए भी पकड़े गए हैं।

अवैध ट्रक चालकों से जुड़ी दुर्घटनाएं बनी वजह

यह फैसला कई घातक सड़क दुर्घटनाओं के बाद लिया गया है, जिनमें कुछ भारतीय अवैध ट्रक चालक भी शामिल थे। अधिकारियों ने पाया कि कई चालकों के लाइसेंस की वैधता अवधि उनके अमेरिका में रहने की अनुमति से अधिक थी। इसी कारण इन्हें अवैध घोषित कर रद्द करने का फैसला लिया गया।

भारतीय मूल के चालकों पर सबसे ज्यादा असर

राज्य ने यह नहीं बताया कि कौन से अप्रवासी प्रभावित होंगे, लेकिन माना जा रहा है कि भारतीय और भारतीय मूल के ट्रक चालकों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। लॉस एंजिल्स टाइम्स की 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक में भारतीय-सिख समुदाय ने कैलिफोर्निया सहित पूरे अमेरिका में ट्रक चालकों की कमी को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

गवर्नर का बयान

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने कहा कि ये लाइसेंस इसलिए अमान्य थे क्योंकि उनकी समाप्ति तिथि चालकों के अमेरिका में रहने की अवधि से आगे थी। एजेंसी एपी (अढ) के मुताबिक, राज्य परिवहन विभाग ने भी इसकी पुष्टि की कि लाइसेंस की वैधता कानूनी रहने की अवधि से अधिक थी, जिससे उन्हें रद्द करना पड़ा।

हालिया दुर्घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

पिछले महीने कैलिफोर्निया में एक भारतीय अवैध ट्रक चालक की वजह से हुए हादसे में तीन लोगों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद ट्रक चालकों में अवैध ड्राइविंग का मुद्दा फिर चर्चा में आया और यह मामला ट्रंप प्रशासन और डेमोक्रेटिक सरकार के बीच विवाद का विषय बन गया।

अंग्रेजी दक्षता और फंडिंग विवाद

अधिकारियों ने बताया कि 2025 में 7,000 अमेरिकी ट्रक चालकों को अंग्रेजी दक्षता परीक्षा में फेल होने पर सेवा से बाहर किया गया।

मतदान के बाद पार्टी कार्यालयों में सियासी सन्नाटा, अब निगाहें 14 नवंबर के नतीजों पर

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दोनों चरणों का मतदान अब संपन्न हो चुका है। अब पूरे राज्य की निगाहें 14 नवंबर को आने वाले मतगणना और नतीजों पर टिकी हैं। चुनाव प्रचार की गहमागहमी, नारों की गूंज और रोड शो की भीड़भाड़ के बीच जो माहौल कई महीनों से पूरे बिहार में देखने को मिल रहा था, वह अब ठहर गया है।

जहां पहले नेताओं की आवाजें चौक-चौराहों तक गूंज रही थीं, वहीं अब राजनीतिक गलियारों में एक गहरी शांति और इंतजार का माहौल है। गुरुवार, 13 नवंबर की सुबह पटना की सड़कों पर रौनक अब नदारद थी, जो पिछले कई हफ्तों से लगातार बनी हुई थी।

चुनावी शोर के बाद सन्नाटा थम गया है और पार्टी कार्यालयों के बाहर एक अलग सी खामोशी दिखाई दे रही है। कांग्रेस, राजद, जदयू और भाजपा - चारों प्रमुख दलों के प्रदेश कार्यालयों का नजारा इस बार बदला-बदला था। राजनीतिक पार्टियों के दफ्तरों में न तो रणनीतिक बैठकों की भागदौड़ थी, न ही समर्थकों की भीड़। जिन गलियारों में कल तक नारे और भाषणों की आवाजें गूंजती थीं, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ है।

चाय की दुकानों पर एक्जिट पोल की चर्चा

पटना की गलियों और नुक्कड़ों पर स्थित चाय की दुकानों पर अब नेताओं की बयानबाजी की चर्चा नहीं, बल्कि मतदान प्रतिशत और एक्जिट पोल के आंकड़े चर्चा का विषय बने हुए हैं। लोग अपने-अपने अंदाज में नतीजों का अनुमान लगा रहे हैं कहीं लोग नीतीश कुमार की वापसी की बात कर रहे हैं तो कहीं तेजस्वी यादव की संभावनाओं पर चर्चा गर्म है। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में भी यही नजारा दिख रहा है।

दिल्ली में बम ब्लास्ट के बाद पाकिस्तान की गीदड़ भभकी, कहा- 'भारत-अफगानिस्तान से एक साथ जंग के लिए तैयार'

दिल्ली, (जीएनएस)। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर भारत को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि उनका देश पूर्वी सीमा पर भारत और पश्चिमी सीमा पर तालिबान के खिलाफ 'दो मोर्चों पर युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार' है। यह बयान 12 नवंबर, 2025 को इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के एक दिन बाद आई, जिसमें 12 लोग मारे गए और 36 अन्य घायल हुए थे।

"दो मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयार"- आसिफ का दावा

एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, आसिफ ने कहा, "हम दो मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयार हैं। हम पूर्वी (भारत) और पश्चिमी सीमा (अफगानिस्तान) दोनों का सामना करने के लिए तैयार हैं। अल्लाह ने पहले दौर में हमारी मदद की और वह दूसरे दौर में भी हमारी मदद करेंगे।"

इस्लामाबाद बम धमाका और तालिबान की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद बम विस्फोट की जिम्मेदारी पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) ने ली है। वहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले के पीछे 'भारतीय समर्थन' वाले समूहों का हाथ होने का आरोप लगाया। आसिफ ने कहा कि अफगान तालिबान ने इस बमबारी के माध्यम से एक स्पष्ट संदेश भेजा है।

"काबुल का मैसेज साफ है"

सोशल मीडिया मंच एक्स (X) पर आसिफ ने लिखा, "काबुल के शासक पाकिस्तान में आतंकवाद को रोक सकते हैं, लेकिन इस युद्ध को इस्लामाबाद तक लाना काबुल का एक संदेश है, जिसका जवाब देने की पूरी ताकत - अल्लाह का शुक्र है - पाकिस्तान के पास है।"

ऊट-पटांग दे रहे बयान

विश्लेषकों के अनुसार, मंत्री की बयानबाजी इस्लामाबाद के घटते संसाधनों और तनावपूर्ण राजनयिक स्थिति के बावजूद सैन्य शक्ति प्रदर्शित करने का एक नई कोशिश है।

जाने वाली है शरीफ मियां की कुर्सी! मुशर्रफ की राह पर आसिम मुनीर, जल्द बनेंगे अगले तानाशाह!

फील्ड मार्शल असीम मुनीर आज पाकिस्तान के इतिहास के सबसे शक्तिशाली सैन्य शासक के रूप में उभरे हैं। पाकिस्तान के संविधान में हुए 27वें संशोधन ने उन्हें देश का पहला

चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बना दिया है, जिसके तहत वे तीनों सशस्त्र बलों, न्यूक्लियर फोर्सेस और सेना के प्रमुख के रूप में असीमित कार्यकाल के साथ कार्यरत हैं।

यह पद उन्हें नागरिक राजनीति से ऊपर एक आजीवन सैन्य तानाशाह के रूप में स्थापित करता है। उन्होंने अपने द्वारा घोषित "कठोर राज्य" की अवधारणा के अंतर्गत पाकिस्तान की राजनीति, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है।

लाल किला धमाके पर क्या बोला अमेरिका? किस बात के लिए की भारतीय एजेंसियों की तारीफ?

(जीएनएस)।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार बम धमाके को "स्पष्ट रूप से एक आतंकवादी हमला" करार दिया है। उन्होंने बुधवार को ऋ विदेश मंत्रियों की बैठक समाप्त होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की। यह धमाका 10 नवंबर, 2025 की शाम को हुआ था, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे।

दिल्ली ब्लास्ट को बताया आतंकी हमला

मार्को रुबियो ने भारत की सधी हुई प्रतिक्रिया की भी सराहना की, जिसे अब भारत ने "राष्ट्र-विरोधी ताकतों" द्वारा किए गए "आतंकवादी घटना" के रूप में पुष्टि की है। उन्होंने कहा, "यह स्पष्ट रूप से एक आतंकवादी हमला था और यह अत्यधिक विस्फोटक सामग्री से लदी कार थी, जिसमें विस्फोट हुआ और कई लोग मारे गए।"

वाशिंगटन ने जताया भारत को समर्थन

वाशिंगटन प्रशासन ने नई दिल्ली को पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। हालांकि, रुबियो ने भारतीय एजेंसियों द्वारा की जा रही जांच की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय जांचकर्ता "इन जांचों में सक्षम और पेशेवर हैं।" उन्होंने कहा, "हमने मदद की पेशकश की है, लेकिन मुझे लगता है कि वे इन जांचों में बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं है, और वे

अच्छा काम कर रहे हैं।"

"भारतीय जांचकर्ता सतर्क और प्रोफेशनल"

अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारतीय अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा, "हमें संभावित खतरे के बारे में पता है, लेकिन मुझे लगता है कि भारतीयों की सराहना की जानी चाहिए। वे इस चल रही जांच को मापे हुए, सतर्क और प्रोफेशनल तरीके से कर रहे हैं।" उन्होंने विश्वास जताया कि "जब भारतीय जांचकताओं के पास तथ्य होंगे, वे उन्हें सार्वजनिक रूप से जारी करेंगे।"

अमेरिकी दूतावास ने भी जताई संवेदनाएं

इससे पहले, नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने भी इस धमाके पर एक आधिकारिक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया, "हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने पिछली रात नई दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट में अपनों को खो दिया।

बांग्लादेश के जरिए भारत में आतंकवाद के नए रास्ते बना रहा लश्कर-ए-तैयबा, इंटेलिजेंस ने क्या वॉर्निंग दी?

(जीएनएस)।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, ढाका और इस्लामाबाद के बढ़ते सैन्य संबंधों के जरिए लश्कर-ए-तैयबा (LeT) भारत में घुसपैठ का एक नया मार्ग खोलने की कोशिश में है। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने इस संबंध में गंभीर चेतावनी जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि छीळ का सरगना हाफिज सईद भारत के खिलाफ एक नया मोर्चा खोलने की योजना बना रहा है, जिसमें बांग्लादेश को लॉन्चपैड के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

ढाका-इस्लामाबाद की नजदीकियों से दिल्ली में चिंता

यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब ढाका और इस्लामाबाद के बीच अचानक संबंध मजबूत हो रहे हैं। 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद दोनों देशों के रिश्ते लगभग खत्म हो गए थे, लेकिन हाल के हफ्तों में उच्च-स्तरीय सैन्य और राजनीतिक मुलाकातों ने नई दिल्ली में गहरी चिंता पैदा कर दी है।

हाल ही में, पाकिस्तान के नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने ढाका का चार दिवसीय दौरा किया। लगभग उसी समय, पाकिस्तानी नौसेना का युद्धपोत पीएनएस सैफ चटगांव बंदरगाह पर लंगर डाले हुए था। यह 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद पहली बार हुआ है कि कोई पाकिस्तानी युद्धपोत बांग्लादेशी जलक्षेत्र में आया हो। इस कदम को रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

"हाफिज सईद भारत पर हमला

करेगा"

भारत की चिंता और बढ़ गई जब पाकिस्तान के खैरपुर तामेवाली से एक वायरल वीडियो सामने आया। इसमें छीळ का सीनियर कमांडर सैफुल्ला सैफ यह घोषणा करते दिखे कि "हाफिज सईद बांग्लादेश के माध्यम से भारत पर हमला करने की तैयारी कर रहा है।"

खुफिया सूत्रों का कहना है कि इस दावे को अब केवल बयानबाजी मानकर खारिज नहीं किया जा सकता, खासकर पाकिस्तान-आधारित चरमपंथी नेटवर्कों की हालिया गुप्त गतिविधियों को देखते हुए।

हाफिज सईद का सहयोगी जहीर बांग्लादेश यात्रा पर

रिपोर्ट्स के अनुसार, हाफिज सईद का करीबी सहयोगी अल्लामा इब्तिसाम इलाही जहीर ने अक्टूबर के अंत में गुपचुप तरीके से बांग्लादेश का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान उसने राजशाही और चापैनवाबगंज जैसे सीमावर्ती जिलों में कट्टरपंथी समूहों से मुलाकात की।

'काउंटिंग में गड़बड़ी हुई तो होगा नेपाल जैसा हाल'-आरजेडी नेता ने दी खुलेआम धमकी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों से ठीक पहले राजनीतिक पारा तेजी से चढ़ गया है। एक तरफ जहां एनडीए खेमे में जीत की तैयारी और पोस्टरबाजी शुरू हो गई है। वहीं दूसरी ओर आरजेडी ने चुनाव आयोग और प्रशासन पर

गंभीर आरोप लगाए हैं। इसी बीच आरजेडी के एमएलसी सुनील कुमार सिंह का धमाकेदार बयान सामने आया है, जिसने माहौल और गरमा दिया है।

◆ राष्ट्रीय जनता दल के विधान परिषद सदस्य सुनील कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा, "इस बार बिहार की जनता ने बदलाव के लिए वोट दिया है। 2025 में तेजस्वी यादव की सरकार बननी तय है।

संदिग्धों ने ऐसे रची थी सीरियल ब्लास्ट की खौफनाक साजिश, 32 कारों में थी ब्लास्ट की प्लानिंग

(जीएनएस)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए भीषण कार ब्लास्ट मामले में जांच एजेंसियों ने एक बड़े आतंकी साजिश का पदार्फाश किया है। गुरुवार, 13 नवंबर को खुफिया एजेंसियों ने खुलासा किया कि यह धमाका एक बड़े सीरियल ब्लास्ट की साजिश का हिस्सा था, जिसमें कुल 32 पुरानी गाड़ियों में बम लगाकर दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में एक साथ विस्फोट करने की योजना बनाई गई थी।

इस धमाके में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, और जांच के बाद यह साफ हो गया है कि यह साजिश का एक हिस्सा था, क्योंकि एक बड़े नेटवर्क की शुरूआत थी।

खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने पुरानी गाड़ियों में विस्फोटक भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। अठक के हवाले से सूत्रों ने बताया कि अब तक

जांच में यह सामने आया है कि एक ,20 और एक इकोस्पोर्ट गाड़ी को हमले के लिए तैयार किया जा रहा था।

जांच एजेंसियों के मुताबिक,20 और इकोस्पोर्ट के बाद यह जानकारी मिली कि 32 और पुरानी गाड़ियों को बम से लैस करने की तैयारी चल रही थी। इन सभी गाड़ियों का इस्तेमाल एक साथ सीरियल ब्लास्ट के लिए किया जाना था।

मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, इन गाड़ियों को दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में खड़ा कर कोऑर्डिनेटेड ब्लास्ट (समानांतर धमाके) करने की साजिश थी। इस खुलासे के बाद जांच एजेंसियां हैरान हो गई हैं और अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन 32 गाड़ियों में से कुछ पहले ही तैयार की जा चुकी थीं।

जांच में अब फरीदाबाद स्थित अल-फलाह मेडिकल कॉलेज का बॉयज हॉस्टल भी शक के घेरे में आ गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के

राहुल के रनों से बनेगा नया रिकॉर्ड, ईडन गार्डंस में मचेगा धमाल, बनाने हैं सिर्फ 15 रन

(जीएनएस)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डंस में खेला जाएगा। यह मैच शुक्रवार से शुरू हो रहा है। भारतीय टीम शुभमन गिल की कप्तानी में पहली बार ईडन गार्डंस में टेस्ट खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी। यह पल उनके लिए खास होगा लेकिन केएल राहुल भी ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल करने के करीब हैं।

टेस्ट क्रिकेट में केएल राहुल इस साल काफी धांसू फॉर्म में रहे हैं और उनके बल्ले से रन आए हैं, इसी फॉर्म को जारी रखते हुए केएल राहुल एक रिकॉर्ड के करीब हैं, इससे वह खास लोगों के क्लब में शामिल हो जाएंगे।

राहुल धांसू आंकड़े के करीब

दरअसल राहुल टेस्ट क्रिकेट में अपने 4000 रनों के आंकड़े के बेहद करीब खड़े हैं, उनके बल्ले से कोलकाता टेस्ट में रन आने की उम्मीद है और वह इतिहास रच सकते हैं। बतौर ओपनर खेलते हुए राहुल ने रन बनाए हैं। इस आंकड़े तक आने के लिए केएल राहुल को सिर्फ 15 रन बनाने की आवश्यकता है।

सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर, विराट कोहली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग, सौरव गांगुली, चेतेश्वर पुजारा, कपिल देव, अजिंक्य रहाणे, महेंद्र सिंह धोनी, मोहिन्दर अमरनाथ,

दिलीप वेंगसरकर, मोहम्मद अजहरुद्दीन, गुंडप्पा विश्वनाथ, रोहित शर्मा और गौतम गंभीर भी यह कारनामा कर चुके हैं।

टेस्ट क्रिकेट में राहुल के आंकड़े ज्यादा अच्छे नहीं रहे हैं लेकिन इस साल वह धमाल मचा रहे हैं। 65 मैचों की 114 पारियों में राहुल ने 3985 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बैट से 20 फिफ्टी और 11 अर्धशतक आए हैं। बेस्ट स्कोर 199 रन है, जो इंग्लैंड के विरुद्ध चेन्नई में आया था। केएल राहुल का औसत 36 का है, इस वजह से उनके ऊपर सवाल खड़े होते रहे हैं।

यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर केएल राहुल ने ओपन करने के बाद अपने आंकड़ों में बेहतरीन सुधार किया है, इस साल ही उनके बल्ले से 53 के औसत से 745 रन आए हैं, वह 3 शतक जमाने में सफल रहे हैं।

बिग बॉस से बेघर हुए मृदुल तिवारी, सोशल मीडिया पर फैंस ने उठाए मेकर्स पर सवाल

(जीएनएस)।

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 19 के इस हफ्ते का माहौल बेहद तनावपूर्ण रहा, जब मिड-वीक एविक्शन में मृदुल तिवारी को घर से बाहर कर दिया गया। मृदुल, जिन्होंने अपनी ईमानदारी, शांत स्वभाव और समझदारी से दर्शकों का दिल जीता था, अचानक बाहर हो गए। इस फैसले ने न केवल घरवालों बल्कि दर्शकों को भी हैरान कर दिया। सोशल मीडिया पर दर्शकों ने इसे "अन्यायपूर्ण" एविक्शन बताया और मेकर्स पर सवाल उठाए।

बहन प्रगति का मेकर्स पर गंभीर आरोप

मृदुल के बाहर होने के तुरंत बाद उनकी बहन प्रगति तिवारी ने एक वीडियो शेयर कर शो के मेकर्स पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह एलिमिनेशन "जनता के वोट" से नहीं बल्कि "प्लानिंग के तहत" किया गया। प्रगति ने आरोप लगाया कि मृदुल को हटाने के लिए शो की टीम ने वोटिंग पैटर्न में हेरफेर की और मिड-वीक

एविक्शन का बहाना बनाया ताकि दर्शकों को भ्रमित किया जा सके।

एडिटिंग और पक्षपात पर उठे सवाल

प्रगति ने आगे कहा कि मेकर्स ने मृदुल के कई अच्छे पलों को जानबूझकर एडिट कर दिया, ताकि यह दिखाया जा सके कि वे टास्क में सक्रिय नहीं हैं। उनका कहना था, "एडिटर्स उनके अपने हैं, जो दिखाना चाहेंगे वही दिखाएंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि शो अब "जनता का नहीं, बल्कि स्क्रिप्टेड" हो गया है, जहां असली और ईमानदार प्रतिभागियों के लिए कोई जगह नहीं बची है।

भावुक अपील और वायरल वीडियो

वीडियो में प्रगति बेहद भावुक नजर आईं और उन्होंने मेकर्स पर जनता के विश्वास से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उनकी आँखों में आँसू थे जब उन्होंने कहा कि मृदुल को निकालकर शो ने लाखों फैंस का दिल तोड़ा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है और मृदुल के समर्थन में #JusticeForMridul ट्रेंड कर रहा है।

फैंस और प्रतियोगियों की प्रतिक्रिया

मृदुल के बाहर जाने से घर के सदस्य भी दुखी हैं। खासकर गौरव खन्ना ने इस फैसले को "दिल तोड़ने वाला" बताया और कहा कि मृदुल एक सच्चे इंसान थे। वहीं दर्शकों का मानना है कि यह एलिमिनेशन पहले से तय था और शो की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है।

अग्निवीर भर्ती रैली, जानिए कब से और कहां, क्या दस्तावेज हैं जरुरी

उत्तराखंड में युवाओं के लिए अच्छी खबर है। गढ़वाल क्षेत्र के लिए युवाओं के लिए लैंसडाउन गढ़वाल राइफल में अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह भर्ती रैली कोटद्वार में आयोजित की जाएगी।

उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का कार्यक्रम जारी हो गया है। रैली आगामी 15 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक जीबीएस कैंप (कोटद्वार) में आयोजित की जाएगी।

अभ्यर्थी किसी भी समस्या के मामले में एआरओ लैंसडाउन यानी आर्मी रिक्रूटमेंट ऑफिस से संपर्क कर सकते हैं। समय-समय पर अपने लॉगिन अकाउंट के माध्यम से JIA यानी Join Indian Army की वेबसाइट https://www.joinfindianarmy.nic.in/ को चेक करते रहें।

साइट से अभ्यर्थी एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

अभ्यर्थियों की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन नंबर 7456874057 जारी किया गया है।

उम्मीदवार को प्रवेश पत्र, आधार कार्ड, तीन फोटोकॉपी और सभी मूल दस्तावेजों के साथ सुबह 3:00 बजे तक रैली स्थल पर रिपोर्ट करना होगा।

अभ्यर्थियों को रैली स्थल पर ओटीपी आधारित सत्यापन के लिए आधार कार्ड एवं जेआईए वेबसाइट के साथ पंजीकृत अपना मोबाइल नंबर लाना होगा।

उत्तराखंड में एमबीबीएस की 1325 सीटें, जल्द शुरू होंगे दो नए मेडिकल कॉलेज

(जीएनएस)। उत्तराखंड अब मेडिकल एजूकेशन हब के तौर पर उभर रहा है। मुख्यमंत्री धामी के दूरदर्शी नेतृत्व और कुशल प्रबंधन के तहत प्रदेश में हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में वर्तमान में एमबीबीएस की 1325 सीटें हैं।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जल्द ही रुद्रपुर और पिथौरागढ़ में भी मेडिकल कॉलेज की शुरूआत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती के साथ-साथ मेडिकल एजूकेशन को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य बना, तो प्रदेश चिकित्सा शिक्षा के मामले में बेहद पिछड़ा हुआ था। राज्य गठन के बाद वर्षों तक यहां कोई भी सरकारी मेडिकल कॉलेज नहीं था। डॉक्टर बनने के इच्छुक युवाओं को

पड़ोसी राज्यों की ओर रुख करना पड़ता था। लेकिन आज, पच्चीस वर्षों के भीतर उत्तराखंड ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे पूरे देश के लिए उदाहरण बन गई हैं।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार के अनुसार मौजूदा समय में उत्तराखंड में पांच सरकारी और 4 निजी मेडिकल कॉलेज हैं। मेडिकल कॉलेज श्रीनगर (गढ़वाल), हल्द्वानी, देहरादून, अल्मोड़ा और हरिद्वार उच्च स्वास्थ्य शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इन कॉलेजों में हर साल 625 एमबीबीएस छात्रों को प्रवेश दिया जाता है और 238 से अधिक पीजी (पोस्टग्रेजुएट) सीटें उपलब्ध हैं।